मेरे बिगड़े बना दो काज़

नज़रें कर्म से तेरी,
मेरी जिंदगी सँवर गई।
ख़ाली थी झोली मेरी दाता,
जो पल में भर गई॥

मेरे बिगड़े, बना दो काज़* ॥,
ओ मेरे, गणपति जी महाँराज॥
*ओ मेरे, गणपति जी महाँराज, x॥
अब, रख लेना मेरी लाज़* ॥,
ओ मेरे, गणपति जी महाँराज,,,
मेरे बिगड़े, बना दो काज़,,,,,,,,,

तुम, बुद्धि के दाता हो,
सारे, जग के विधाता हो॥
हो देवों, के सरताज* ॥,
ओ मेरे, गणपति जी महाँराज,,,
मेरे बिगड़े, बना दो काज़,,,,,,,,,

मुझे, तूने सँवारा है,
दिया, मुझको सहारा है॥*॥
मैं, दर पे खड़ा हूँ आज* ॥,
ओ मेरे, गणपति जी महाँराज,,,
मेरे बिगड़े, बना दो काज़,,,,,,,,,

माँ गौरां के, प्यारे हो,
और शिव के, दुलारे हो।।।।
मेरे, पूर्ण करो सब काज़* ॥,
ओ मेरे, गणपति जी महाँराज,,,
मेरे बिगड़े, बना दो काज़,,,,,,,,,

तेरे, दर पे हम आएँगे,
और, झूम के गाएँगे॥
अभिषेक, बिनती करत है आज* ॥,
ओ मेरे, गणपति जी महाँराज,,,
मेरे बिगड़े, बना दो काज़,,,,,,,,,

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23610/title/mere-bigde-bana-do-kaaj

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |